वैकोम सत्याग्रह

प्रलिम्सि के लयि:

वैकोम सत्याग्रह के नेतागण, सत्याग्रह के कारक

मेन्स के लयि:

महत्त्व, वैकोम सत्याग्रह में महलिाओं की भूमकिा

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2024 में वैकोम सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केरल और तमलिनाडु के मुख्यमंत्रयिों ने संयुक्त रूप से इसके शताब्दी समारोह का उद्घाटन कयि।

वैकोम सत्याग्रह:

- पृष्ठभूमि:
  - त्रावणकोर में कुछ सबसे कठोर, परष्कृित और नरि्दयी सामाजकि मानक एवं रीत-िरविाज़ थे जो एक **सामंती, सैन्यवादी और क्रूर सरकार की रयिासत** थी।
    - **एझावा और पुलाय** जैसी नचिली जातयिों को अपवत्रि माना जाता था तथा उन्हें उच्च जातयिों से दूर रखने के लयि वभिनि्न नयिम बनाए गए थे।
    - इनमें केवल मंदरि में प्रवेश पर ही नहीं बल्कमिंदरिों के आसपास की सड़कों पर चलने पर भी प्रतबिंध था।
- **नेतागणों का योगदान:**
  - वर्ष 1923 में माधवन ने अखलि भारतीय कॉन्ग्रेस समतिकिी काकीनाडा बैठक में इस मुद्दे को एक प्रस्ताव के रूप में प्रस्तुत कयि। इसके बाद जनवरी 1924 में केरल प्रदेश कॉन्ग्रेस समतिद्विारा गठति **कॉन्ग्रेस अस्पृश्यता समति** ने इसे आगे बढ़ाया।
  - माधवन, के.पी. केशव मेनन जो केरल प्रदेश कॉन्ग्रेस समतिके तत्कालीन सचवि थे और कॉन्ग्रेस नेता एवं शक्षािवद् **के. केलप्पन (जनि्हें केरल के गांधी के नाम से भी जाना जाता है)** को वैकोम सत्याग्रह आंदोलन का अग्रदूत माना जाता है।
- **सत्याग्रह के अग्रणी कारक:**
  - ईस्ट इंडयिा कंपनी द्वारा समर्थति **ईसाई मशिनरयिों** ने अपनी पहुँच का वस्तािर कयिा था और एक दमनकारी व्यवस्था के चंगुल से बचने के लयि **कई नमि्न जातयिों ने ईसाई धर्म अपना लयिा** था।
  - **महाराजा अयलि्यम थरिुनाल ने कई प्रगतशिील सुधार कयि।**
    - इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण सभी के लयि मुफ्त प्राथमकि शक्षिा के साथ एक **आधुनकि शक्षिा प्रणाली** की शुरुआत थी, यहाँ तक कयिह शक्षिा **नमि्न जातयिों के लयि भी उपलब्ध** थी।
- **सत्याग्रह की शुरुआत:**
  - **30 मार्च, 1924** को सत्याग्रहयिों ने वर्जति सार्वजनकि सड़कों पर जुलूस नकिाला। जुलूस को उस जगह से 50 गज की दूरी पर रोक दयिा गया था जहाँ सड़कों पर (**वैकोम महादेव मंदरि** के आसपास) चलने के खलिाफ उत्पीड़ति समुदायों को चेतावनी देने वाला बोर्ड लगाया गया था।
  - **गोवदि पणक्किर (नायर)**, **बाहुलेयान (एझवा)** और **कुंजप्पु (पुलैया)** ने खादी वस्त्र एवं खादी की टोपी पहनकर नषिधात्मक आदेशों का उल्लंघन कयि।
  - **पुलसि के रोकने पर** तीनों लोग वरिोध में सड़क पर बैठ गए जनि्हें बाद में गरिफ्तार कर लयिा गया।
  - इसके बाद प्रतदिनि तीन अलग-अलग समुदायों के तीन स्वयंसेवकों को नषिदि्ध सड़कों पर चलने के लयि भेजा गया।
    - इस प्रकार एक सप्ताह के भीतर **आंदोलन के सभी नेताओं को गरिफ्तार कर लयिा गया।**
- **महलिाओं की भूमकिा:**
  - पेरयिार की पत्नी **नागम्मई** और बहन **कन्नम्मल** ने लड़ाई में अभूतपूर्व भूमकिा नभिाई।
- **गांधीजी का आगमन:**
  - **गांधीजी ने मार्च 1925 में वैकोम जाकर** वभिनि्न जातसिमूहों के नेताओं के साथ कई चर्चाएँ कीं तथा महारानी रीजेंट से उसके वर्कला

    शविरि में मुलाकात की।
  - गांधीजी और डब्ल्यू.एच. पिट (त्रावणकोर के पुलिस आयुक्त) के बीच परामर्श के बाद **30 नवंबर, 1925 को वैकोम सत्याग्रह को आधिकारिक तौर पर वापस ले लिया गया।**
  - सभी कैदियों की रिहाई तथा सड़कों तक पहुँच प्रदान करने के लिये एक समझौता हुआ।
- **मंदिर प्रवेश उद्घोषणा:**
  - **वर्ष 1936** में त्रावणकोर के महाराजा द्वारा **ऐतिहासिक मंदिर प्रवेश उद्घोषणा पर हस्ताक्षर** किये गए, जिसने **मंदिरों में प्रवेश पर सदियों पुराने प्रतिबंध को हटा दिया।**
- **महत्त्व:**
  - देश भर में बढ़ती राष्ट्रवादी भावनाओं और आंदोलनों के बीच इसने सामाजिक सुधार के कार्यों को आगे बढ़ाया।
  - **यह त्रावणकोर में गांधीवादी अहिंसक विरोध का तरीका अपनाने वाला पहला आंदोलन था।**
  - सामाजिक दबाव, पुलिस कार्रवाई और यहाँ तक कि वर्ष 1924 में प्राकृतिक आपदा के दौरान भी 600 से अधिक दिनों तक बिना रुके यह आंदोलन जारी रहा।
  - वैकोम सत्याग्रह के दौरान जातिगत बंधन टूट गए, जो अभूतपूर्व कार्य था।

निष्कर्ष:

- वर्ष 1917 तक भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने सामाजिक सुधार करने से इनकार कर दिया लेकिन गांधी के उदय और निम्न जाति समुदायों एवं अछूतों की बढ़ती सक्रियता के चलते सामाजिक सुधार जल्द ही कॉन्ग्रेस और गांधी की राजनीति का केंद्रबिंदु बन गया।

सरोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vaikom-satyagraha